Press Note on 25th Annual Convention and National Conference

The Clay Minerals Society of India, New Delhi, in association with Division of Soil Science and Agricultural Chemistry, IARI jointly organized 25th Annual Convention and National Conference on "Application of Clay and Allied Sciences for Enhancing Nutrient Use Efficiency, Carbon Sequestration and Mitigating Climate Change" from 18 to 19 December 2025 at ICAR- IARI, New Delhi. The event was inaugurated by Chief Guest Dr MS Khera, Former Head, Division of Soil Science and Agricultural Chemistry, IARI and Dr Ch Srinivasa Rao, Director ICAR-IARI, the Guest of Honour, in the presence of distinguished guests and members of the society. All the guests and dignitaries were welcomed by Dr Debasish Mandal, Head, Division of Soil Science and Agricultural Chemistry, IARI. In the inaugural session, Honorary Membership and Fellowship was conferred to its distinguished members. It also featured the 9th Professor S.K. Mukherjee–CMSI Foundation Lecture, delivered by Dr. K.M. Manjaiah, Former Principal Scientist, ICAR-IARI. It was followed by a keynote lecture by Dr. Balwant Singh, Professor of Soil Science, The University of Sydney in the session chaired by Dr. Ch Srinivasa Rao, Director, ICAR-IARI. The conference was divided into 4 technical sessions, which highlighted the role of clays and clay minerals in agriculture, carbon sequestration, climate change, nutrient delivery, enhancing nutrient use efficiency, environmental quality, and ecosystem services. A special session was also organised on 'The application of clay and nanoscience in industry and other niche areas', keeping in view the emerging role of nanotechnology in the fields of agriculture and allied industries. Distinguished lead lectures were delivered by senior scientists and experts including Dr. Anil Kumar K.S., Dr. S.C. Datta, Dr. Manoj Shrivastava, and Dr. D.R. Biswas, emphasizing climate-smart fertilizers, nanoclay–polymer composites, and sustainable soil health management in different sessions. Several oral and lightning presentations by researchers and students showcased recent advances in clay mineral research and applications. In the concluding session, Dr Nayan Ahmed, outgoing President, CMSI briefed about various activities carried out by CMSI, New Delhi and urged to promote the Clay Mineral Society and its publication for the betterment of the society and farmers, the major stakeholders of Indian agriculture. Then the organizing secretary of the convention, Dr Prasenjit Ray announced the Young Scientist Award, Travel Support Award and awards for the oral presentations given during different sessions. The event was attended by more than 100 eminent scientists, academicians, industry experts, and young researchers.

नई दिल्ली स्थित क्ले मिनरल सोसाइटी ऑफ इंडिया ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग के सहयोग से 18 से 19 दिसंबर 2025 तक भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में "पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ाने, कार्बन पृथक्करण और जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए क्ले और संबद्ध विज्ञानों का अनुप्रयोग" विषय पर 25वां वार्षिक सम्मेलन और राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. एम.एस. खेरा, पूर्व अध्यक्ष, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और विशिष्ट अतिथि डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने अन्य गणमान्य अतिथियों और सोसाइटी के सदस्यों की उपस्थिति में किया। उद्घाटन सत्र में क्ले सोसाइटी के विशिष्ट सदस्यों को मानद सदस्यता और फेलोशिप प्रदान की गई। सत्र में नौवां प्रोफेसर एस.के. मुखर्जी-सीएमएसी फाउंडेशन व्याख्यान दिया गया जिसे भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. के.एम. मंजैया ने दिया। इसके बाद सिडनी विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. बलवंत सिंह ने मुख्य व्याख्यान दिया, जिसकी अध्यक्षता आईसीएआर-आईएआरआई के निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव ने की। सम्मेलन को चार तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया था जिसमें कृषि, कार्बन पृथक्करण,

जलवायु परिवर्तन, पोषक तत्व वितरण, पोषक तत्व उपयोग दक्षता में वृद्धि, पर्यावरणीय गुणवत्ता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं में क्ले और क्ले खनिजों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। कृषि और संबद्ध उद्योगों के क्षेत्र में नैनो प्रौद्योगिकी की उभरती भूमिका को ध्यान में रखते हुए, 'उद्योग और अन्य विशिष्ट क्षेत्रों में क्ले और नैनो विज्ञान के अनुप्रयोग' पर एक विशेष सत्र का आयोजन भी किया गया। विभिन्न सत्रों में डॉ. अनिल कुमार के.एस., डॉ. एस.सी. दत्ता, डॉ. मनोज श्रीवास्तव और डॉ. डी.आर. बिस्वास सहित वरिष्ठ वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने जलवायु-अनुकूल उर्वरकों, नैनोक्ले-पॉलिमर कंपोजिट और सतत मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर जोर देते हुए विशिष्ट व्याख्यान दिए। शोधकर्ताओं और छात्रों द्वारा दी गई कई मौखिक और संक्षिप्त प्रस्तुतियों में क्ले खनिज अनुसंधान और अनुप्रयोगों में हुई हालिया प्रगति को प्रदर्शित किया गया। समापन सत्र में, क्ले मिनरल सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. नयन अहमद ने सीएमएसआई द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने समाज और भारतीय कृषि के प्रमुख हितधारकों, यानी किसानों की बेहतरी के लिए क्ले मिनरल सोसायटी और इसके प्रकाशन को बढ़ावा देने का आग्रह किया। इसके बाद सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. प्रसेनजीत रे ने युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, यात्रा सहायता पुरस्कार और विभिन्न सत्रों के दौरान दिए गए मौखिक प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कारों की घोषणा की। इस सम्मेलन में 100 से अधिक प्रख्यात वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों और युवा शोधकर्ताओं ने भाग लिया।